

चांसलर पुं. (अं.) विश्वविद्यालय का सर्वोच्च अधिकारी, कुलपति।

चाँई वि. (देश.) 1. ठग, उचक्का 2. होशियार, छली, चालाक स्त्री. (देश.) सिर में होने वाली एक प्रकार की फुंसियाँ जिनसे बाल झड़ जाते हैं।

चाँक पुं. (देश.) 1. काठ की थापी, जिस पर अक्षर खुदे होते हैं 2. खलियान में अन्न की राशि पर डाला गया चिह्न 3. टोटके के लिए शरीर के किसी पीड़ित स्थान के चारों ओर खींचा हुआ घेरा।

चाँगला वि. (देश.) 1. स्वस्थ, तंदुरुस्त, हष्ट-पुष्ट 2. चतुर, चालाक।

चाँचर, चाँचरि पुं. (देश.) टट्टी या परदा जो किवाड़ के बदले काम में लाया जाए।

चाँचिया पुं. (देश.) 1. एक प्रकार की छोटी जाति जो चोरी, लूट-मार का काम करती है 2. चोर 3. डाकू।

चाँट पुं. (देश.) हवा में उड़ता हुआ जल-कण का प्रवाह जो तूफान आने पर समुद्र में उठता है मुहा. चाँट मारना- जहाज के पाल पर पानी छिड़कना।

चाँटा पुं. (देश.) थप्पड़, तमाचा, चपत।

चाँड वि. (तत्.) 1. प्रबल, बलवान 2. उग्र, उद्धत, शोख 3. बढ़ा-चढ़ा, श्रेष्ठ 4. अघाया हुआ, अफरा हुआ, तृप्त 5. चतुर, चालाक स्त्री. 1. भार संभालने का खंभा, टेक, थूनी 2. तात्कालिक आवश्यकता, भारी जरूरत, गहरी चाल, भारी लालसा जैसे. रुपए की चाँड लगते ही वह हमारे पास आता है मुहा. चाँड सरना- इच्छा पूरी होना, लालसा पूरी होना। चाँड सराना- लालसा मिटाना 3. दबाव, संकट जैसे- गहरी चाँड लगाने पर ही पानी निकलेगा 4. प्रबल इच्छा, गहरी चाह, छटपटी 5. प्रबलता, अधिकता।

चाँडना स.क्रि. (तत्.) 1. खोदना, खोदकर गिराना 2. उखाड़ना, उजाड़ना।

चाँद पुं. (तद्.) चंद्रमा मुहा. चाँद का कुंडल बैठना- चाँद के चारों ओर वृत्ति या घेरा बनना। चाँद का टुकड़ा होना- अत्यंत सुंदर होना। चाँद चढ़ना- ऊपर आना। चाँद पर थूकना- किसी महात्मा पर कलंक लगाना, जिससे स्वयं अपमानित होना पड़े टि. ऊपर की ओर थूकने से अपने ही मुँह पर थूक पड़ता है। इसी से यह मुहावरा बना है। चाँद पर थूल डालना- किसी निर्दोष पर कलंक लगाना। चाँद सा मुखड़ा होना- अत्यंत सुंदर मुख होना 2. चांद्रमास, महीना 3. द्वितीया के चंद्रमा के आकार का एक आभूषण 4. ढाल के ऊपर की गोल फुलिया 5. घोड़े के सिर की एक भौंरी का नाम 6. एक प्रकार का गोदना जो स्त्रियों की कलाई के ऊपर गोदा जाता है 7. भालू की गरदन में नीचे की ओर सफेद बालों का घेरा स्त्री. 1. खोपड़ी का मध्य भाग 2. खोपड़ी मुहा. चाँद गंजी करना- खूब मूँडना, जूते लगाना।

चाँद तारा स्त्री. (तद्.+तत्.) एक प्रकार की पतंग जिसमें रंगीन कागज के चाँद-तारे चिपके होते हैं।

चाँदना पुं. (तद्.) 1. प्रकाश, उजाला 2. चाँदनी।

चाँदनी स्त्री. (तद्.) 1. चंद्रमा का प्रकाश, चंद्रिका, ज्योत्स्ना, कौमुदी मुहा. चाँदनी छिटकना- शुभ ज्योत्स्ना फैलना, चार दिन की चाँदनी-क्षणिक समृद्धि।

चाँदमारी स्त्री. (देश.) 1. बंदूक से निशाना लगाने का अभ्यास 2. दीवार या कपड़े पर बने हुए चिह्नों को लक्षित करके गोली चलाने का अभ्यास।

चाँदवाला पुं. (देश.) कान में पहनने वाला बाला या बाली जो अर्धचंद्राकार होती है।

चाँद-सूरज पुं. (तद्.) 1. चोटी में गूँथ कर पहना जाने वाला एक प्रकार का गहना 2. गले में पहनाए जाने वाले, छोटे बच्चों के लिए धागे में पिरोए हुए चंद्रमा और सूरज की तरह के (अर्धचंद्राकार और गोल) चांदी के छोटे गहने या छोटा-सा आभूषण।

चाँदा पुं. (देश.) 1. वह लक्ष्य स्थान जहाँ दूरबीन लगाई जाती है 2. भूमि की पैमाइश या माप में हदबंदी